समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 27 August 2026

GYOASH Technologies: भारत मे संमावेशी डिजिटल शिक्षा का भविष्य

Publisher

Published on 22 Jan 2026

भारत में डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं, और इस बदलाव में **GYOASH Technologies Private Limited** एक उद्देश्यपूर्ण और प्रेरक उदाहरण के रूप में उभरकर सामने आया है। यह कंपनी केवल व्यवसाय की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि **दृढ़ संकल्प, दूरदृष्टि और छात्रों व शिक्षकों की चुनौतियों को समझने** का परिणाम है।

इस कंपनी की स्थापना चार साझेदारों ने की थी, जिनके पास व्यापक और पूरक पेशेवर अनुभव था। इनकी साझा सोच थी कि **प्रौद्योगिकी शिक्षा को सशक्त बनाए, इसे विशेषाधिकार वाले स्थान तक सीमित न रखे।** इस नेतृत्व टीम में **शरद डयमा**, निदेशक के रूप में, रणनीतिक दिशा, संचालन और दीर्घकालिक सामाजिक प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रारंभिक संघर्ष और मिशन का जन्म

GYOASH Technologies की नींव उनके संस्थापकों के व्यक्तिगत अनुभवों से गहराई से जुड़ी है। सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले ये संस्थापक ऐसे माहौल में पले-बढ़े, जहाँ कंप्यूटर, डिजिटल टूल्स या संरचित तकनीकी शिक्षा तक पहुंच लगभग नामुमकिन थी।

शरद डयमा और उनके सहयोगियों ने अनुभव किया कि **डिजिटल शिक्षा की कमी से आत्मविश्वास, जागरूकता और अवसर सीमित हो जाते है।** इस अनुभव ने उन्हें प्रेरित किया कि प्रौद्योगिकी केवल विलासिता नहीं, बल्कि **सशक्तिकरण का साधन** है—विशेषकर अर्द्ध-शहरी और ग्रामीण भारत के छात्रों के लिए।

GYOASH का निर्माण : अनुभव और उद्देश्य

GYOASH Technologies की नींव ऐसे साझेदारों ने रखी, जिनके पास **तकनीकी, संचालन और व्यावसायिक प्रबंधन का अनुभव** था। उन्होंने ध्यान केंद्रित किया:

- **शैक्षणिक संस्थानों के लिए भरोसेमंद और व्यावहारिक डिजिटल समाधान प्रदान करना**
- **गुणवत्ता, बिक्री-उपरांत समर्थन और दीर्घकालिक जिम्मेदारी बनाए रखना**
- **स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी संस्थानों के साथ विश्वास बनाना**

कंपनी ने **संक्षिप्त लाभ की बजाय विश्वसनीयता और सेवा पर निवेश** किया, जिससे इसे शिक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्थापित होने में मदद मिली।

शरद डयमा का नेतृत्व

निर्देशक के रूप में, शरद डयमा ने GYOASH में **संचालन की स्पष्टता, नैतिक व्यवसाय प्रथाओं और स्थायी विकास** को मजबूत किया। उनका मानना है कि **विकास बिना प्रभाव के अधूरा है।**

उनकी देखरेख में कंपनी ने **व्यापार विस्तार और सामाजिक दृष्टि** को संतुलित किया, ताकि तकनीकी समाधान वास्तविक कक्षा परिणामों में बदल सकें।

Digi Shiksha Abhiyan: शिक्षा से परे डिजिटल अनुभव

GYOASH की प्रमुख पहल **Digi Shiksha Abhiyan** यह सिद्धांत प्रस्तुत करती है कि डिजिटल शिक्षा केवल उपकरण स्थापित करने तक सीमित नहीं है।

इस पहल का उद्देश्य है:

- ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में डिजिटल कक्षाओं को मजबूत करना
- शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों के अनुकूल बनाने में सहायता
- छात्रों को तकनीक का आत्मविश्वासपूर्वक उपयोग करना सिखाना

यह पहल संस्थापकों के बचपन के अनुभवों को वास्तविक कार्रवाई में बदलती है।

GYOASH Innovation Foundation (GIF): व्यवसाय से परे प्रतिबद्धता

सामाजिक दृष्टि को मजबूत करने के लिए **GYOASH Innovation Foundation** की स्थापना की गई। यह गैर-लाभकारी पहल शिक्षा, कौशल विकास और समावेशी डिजिटल शिक्षा पर केंद्रित है।

GIF के उद्देश्य:

- शैक्षणिक पहुंच बढ़ाना
- तकनीकी-सक्षम सीखने के कार्यक्रम चलाना
- उन छात्रों का समर्थन करना जिनके पास डिजिटल संसाधनों की कमी है

यह पहल स्पष्ट रूप से यह दर्शाती है कि **कॉर्पोरेट सफलता और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए।**

चुनौतियों का सामना अनुशासन और विश्वास के साथ

GYOASH की यात्रा चुनौतियों से मुक्त नहीं रही। प्रतिस्पर्धी तकनीकी बाजार में प्रवेश, संस्थानों के साथ विश्वास बनाना, दूरदराज क्षेत्रों में लॉजिस्टिक प्रबंधन, और स्थिर सेवा सुनिश्चित करना, इन सबमें धैर्य और दृढ़ता की आवश्यकता थी।

कंपनी ने इन चुनौतियों का सामना किया:

- संरचित समस्या समाधान

- सतत सीखना
- दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना

प्रत्येक बाधा ने संगठन की आंतरिक प्रणाली को मजबूत किया और उद्देश्यपूर्ण विकास की प्रतिबद्धता को दोहराया।

उपलब्धि से अधिक प्रभाव

GYOASH की यात्रा केवल विस्तार या मान्यता तक सीमित नहीं है। डिजिटल कक्षा अनुभवों से लेकर शिक्षकों में आत्मविश्वास विकसित करने तक, इसका काम **सच्चे शैक्षणिक परिवर्तन मे** बंदलता है।

यह कहानी विश्वास की कहानी है—**पृष्ठभूमि किसी के अवसरों को सीमित नहीं करती, शिक्षा जीवन बदल सकती है, और भारतीय उद्यम समाज सेवा के साथ बढ़ सकते है।**

जब शरद डयमा को **Business Icon Awards** के लिए नामांकित किया गया, तो यह केवल व्यक्तिगत नेतृत्व का नहीं, बल्कि **चार संस्थापकों की साझा दृष्टि और भारत मे डिजिटल शिक्षा के लिए मिशन** का सम्मान है।

GYOASH Technologies का उद्देश्य स्पष्ट है:

> **हर छात्र के लिए डिजिटल शिक्षा को सक्षम बनाना और सुनिश्चित करना कि कोई भी बच्चा वही सीमाएँ न झेले जो संस्थापकों ने झेली।**

यह यात्रा **विनम्रता, अनुभव और स्पष्ट उद्देश्य** पर आधारित है, और यह साबित करती है कि **जब तकनीक सही उद्देश्य के साथ लागू की जाती है, तो यह भारत की कक्षाओं का उज्जवल भविष्य बना सकती है।**

सम्मान और पहचान

शरद डयमा की इस शानदार उपलब्धि को "**Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025**" जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए चुना गया है। यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा उन उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

भव्य पुरस्कार समारोह

इस पुरस्कार समारोह में कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियाँ शामिल होंगी:
- **वर्षा उसगांवकर** – बॉलीवुड अभिनेत्री
- **सोनाली कुलकर्णी** – भारतीय अभिनेत्री
- **प्रार्थना बेहेरे** – भारतीय अभिनेत्री

यह आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, *Founder & CEO, Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd. (Reseal.in)* के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा, जो महाराष्ट्र के उद्यमियों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने के लिए कार्यरत हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.